एलएनजे ग्रुप ने की भीलवाड़ा सुर संगम के तीसरे संस्करण की घोषणा

वार्षिक संगीत उत्सव, भीलवाड़ा सुर संगम देश के शीर्ष संगीतज्ञों की मेज़बानी करेगा

नई दिल्ली। एलएनजे भीलवाड़ा ग्रुप ने पिछले दो वर्षों में लगातार संगीत प्रेमियों का उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया मिलने के बाद भीलवाड़ा सुर संगम के तीसरे संस्करण की घोषणा की है। इस वर्ष यह दो दिवसीय संगीत कार्यक्रम शनिवार 5 अप्रैल को उस्ताद शफाकत अली खान के गायन से प्रारंभ होगा, इसके बाद उस्ताद अली अहमद हुसैन खान और उस्ताद निशात खान द्वारा शहनाई और सितार की जुगलबंदी पेश की जाएगी तथा रविवार 6 अप्रैल को गानसरस्वती किशोरी अमोनकर की प्रस्तुति होगी। एलएनजे भीलवाड़ा ग्रुप का विश्वास है कि सनातन सांस्कृतिक विरासत का संवर्धन, संरक्षण और उसे चिरायु बनाना हमारे गौरवशाली भारतीय अस्तित्व का अखंड भाग है। इसी जज़्बे को बरकरार रखते हुए भीलवाड़ा सुर संगम शीर्ष शास्त्रीय कलाकारों की प्रस्तुतियों से सजे इस कार्यक्रम को प्रति वर्ष आयोजित करता है। इस आयोजन की शुरुआत 2012 से हुई थी और अब तक इस शास्त्रीय संगीत उत्सव में पंडित जसराज, डॉ एन राजम, पंडित उल्हास कशालकर, उस्ताद शुजात हुसैन खान, पंडित तेजेन्द्र नारायण मजुमदार, पंडित हरिप्रसाद चौरसिया, उस्ताद शाहिद परवेज़ खान और उस्ताद राशिद खान जैसे महान कलाकार शामिल हो चुके हैं। इस पहल को समाज के विभिन्न वर्गों से बहुत सराहना हासिल हुई है।

एलएनजे भीलवाड़ा ग्रुप के चेयरमैन श्री रवि झुनझुनवाला ने कहा, ''हम इसे भावी पीढ़ियों के लिए हमारे एक लघु योगदान के रूप में देखते हैं जिन्हें भारत व[illegible] के बारे में कम [illegible] है। इस संगीतमय कार्यक्रम के जरिए हम शास्त्रीय परंपरा के मूल्यों पर बल देना चाहते हैं, हम युवा पीढ़ी में हमारी विरासत के लिए प्रशंसा और आदर की भावना रोपित करने की इच्छा रखते हैं।'' शास्त्रीय संगीत की परंपराओं को प्रोत्साहन देने के अलावा यह समूह थिएटर को भी प्रोत्साहित करता है। भीलवाड़ा नाट्य पुरस्कार कंपनी समूह का एक ऐसी ही पहल है जिसके जरिए देश भर में हिंदी थिएटर की प्रतिभाओं को तलाशा जाता है। यह पुरस्कार आकांक्षी नाट्य कलाकारों के बीच काफी लोकप्रिय है।